षोडश

बिहार विधान-सभा

द्वितीय सत्र

तारांकित प्रश्न

वर्ग-5

शुक्रवार, तिथि 07 फाल्गुन, 1937 (श0) / 26 फरवरी, 2016 (ई0)

प्रश्नों की कुल संख्या 86

(1) ऊर्जा विभाग	-	-	36
(2) स्वास्थ्य विभाग	-	-	35
(3) पर्यटन विभाग	-	-	09
(4) आपदा प्रबंधन विभाग	-	-	04
(5) विधि विभाग	-	-	01
(6) योजना एवं विकास विभाग	-	-	01
		कुल योग —	86

विद्युतीकरण का कार्य कराना

*1. श्री अख्तरुल इस्लाम शाहीन--क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि समस्तीपुर जिलान्तर्गत प्रखंड समस्तीपुर के पंचायत मोरपुर स्थित धुनिया टोली (वार्ड नं0 9) एवं सहनी टोला (वार्ड नं0 10) सहित कई ग्राम एवं उसके टोलों में विद्युतीकरण कार्य नहीं हुआ है जिससे लोग परेशान हैं, यदि हाँ, तो सरकार उक्त टोलों में विद्युतीकरण का कार्य कराना चाहती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

स्थापित कराना

*2. डॉ0 रविन्द्र यादव--क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि जमुई जिलान्तर्गत झाझा प्रखंड स्थित रेफरल अस्पताल का एक्स-रे मशीन विगत 6 वर्षों से खराब है, जिससे आम जनता को प्राईवेट क्लीनिक में एक्स-रे करवाने में अत्यधिक खर्च का वहन करना पड़ता है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त अस्पताल में नये एक्स-रे मशीन को स्थापित कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

निर्माण कराना

*3. श्री अशोक कुमार सिंह--क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि भभुआ जिला के दुर्गावती प्रखंड अन्तर्गत चेहरिया गाँव में अतिरिक्त स्वास्थ्य केन्द्र अवस्थित है ;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त स्वास्थ्य केन्द्र का भवन जीर्ण-शीर्ण अवस्था में है ;

(3) क्या यह बात सही है कि उक्त अतिरिक्त स्वास्थ्य केन्द्र परिसर का अतिक्रमण असामाजिक तत्वों द्वारा कर लिया गया है ;

(4) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त स्वास्थ्य केन्द्र को अतिक्रमण मुक्त कर भवन का निर्माण कराने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करना

*4. श्री अमित कुमार--क्या मंत्री, पर्यटन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि सीतामढ़ी जिलान्तर्गत माता-सीता का जन्म स्थल धार्मिक एवं ऐतिहासिक दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण स्थल है ;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त जन्म स्थल को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित नहीं होने से धार्मिक एवं ऐतिहासिक महत्ता विलुप्त होने के कगार पर है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त जन्म स्थल को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित कर धार्मिक एवं ऐतिहासिक महत्ता को बरकरार रखने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

प्रतिनियुक्ति करना

*5. श्री आबिदुर रहमान—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि अररिया जिला के सदर अस्पताल में महिला चिकित्सक की प्रतिनियुक्ति नहीं रहने से महिलाओं को अपनी चिकित्सा कराने में कठिनाई हो रही है ;

(2) यदि उपर्युक्त खंड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार उक्त अस्पताल में महिला चिकित्सक की प्रतिनियुक्ति करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

विद्युत की आपूर्ति

*6. श्री रत्नेश सादा—क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि सहरसा जिलान्तर्गत सोनबरसा प्रखंड के नगमा पंचायत के नगमा गाँव में विगत 16 महीने से ट्रांसफॉर्मर जला हुआ है ;

(2) क्या यह बात सही है कि प्रश्नकर्ता सदस्य ने दिनांक 12 सितम्बर, 2015 को पत्र के माध्यम से स्थानीय पदाधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कराया था परंतु अबतक ट्रांसफॉर्मर नहीं बदला गया है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार कबतक उक्त पंचायत के नगमा गाँव में ट्रांसफॉर्मर लगाकर विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

विद्युतीकरण का कार्य

*7. श्री सचीन्द्र प्रसाद सिंह—क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि पूर्वी चम्पारण जिला में नये विद्युतीकरण कार्य के लिये ई0पी0एम0सी0 कम्पनी को टेंडर दिया गया है ;

(2) क्या यह बात सही है कि ई0पी0एम0सी0 कम्पनी ने मातहती सहित कई अन्य छोटे-छोटे कम्पनियों को पेटी कॉन्ट्रैक्ट दे दिया है, जिससे कार्य की गुणवत्ता तो प्रभावित है ही साथ ही नीचले स्तर पर भ्रष्टाचार भी व्याप्त है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार ई0पी0एम0सी0 कम्पनी से सीधे कार्य कराकर कार्य की गुणवत्ता कायम रखते हुए समयबद्ध कार्य पूर्ण करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

चिकित्सक की प्रतिनियुक्ति

*8. डा0 शकील अहमद खाँ—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि कटिहार जिलान्तर्गत कदवा प्रखंड के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में महिला एम0बी0बी0एस0 चिकित्सक नहीं है ;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर महिला चिकित्सक नहीं रहने के कारण महिलाओं को स्त्रियों से संबंधित बीमारियों के इलाज कराने में कठिनाई होती है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर महिला चिकित्सक की प्रतिनियुक्ति करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक नहीं, तो क्यों ?

आई-लेंस का क्रय

*9. श्री अवनीश कुमार सिंह—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि राज्य सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2010-11 के बाद आई-लेंस का क्रय नहीं किये जाने के कारण मरीजों को बाजार से महंगे दाम पर लेंस खरीदना पड़ रहा है, जिससे उन्हें काफी परेशानी हो रही है, यदि हाँ, तो सरकार कबतक आई-लेंस का क्रय करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

भवन का निर्माण

*10. श्री महेश्वर प्रसाद यादव—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि मुजफ्फरपुर जिलान्तर्गत कटरा के नाम से प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र की स्वीकृति राज्य सरकार द्वारा मिली हुई है जो अभी प्रखण्ड मुख्यालय कटरा स्थित सरकारी भवन में संचालित है ;

(2) क्या यह बात सही है कि इस स्वास्थ्य केन्द्र का भवन कटरा प्रखंड मुख्यालय से 7 कि० मी० दूर बरियारपुर में बनाने के लिये निविदा निकाला जा चुका है, जबकि कटरा प्रखण्ड मुख्यालय में भी स्वास्थ्य केन्द्र के लिये जमीन उपलब्ध है ;

(3) क्या यह बात सही है कि प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का निर्माण प्रखण्ड मुख्यालय में ही प्राथमिक रूप से करने का सरकार का निर्देश है ;

(4) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कटरा का भवन बरियारपुर बनाने हेतु निकाली गई निविदा को रद्द कर कटरा प्रखण्ड मुख्यालय में ही उक्त भवन का निर्माण कराना चाहती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

निर्माण कराना

*11. श्री सत्यदेव सिंह—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे—

(1) क्या यह बात सही है कि अरवल जिला अन्तर्गत करपी प्रखण्ड मुख्यालय में "रेफरल" प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र की स्थापना नहीं हुई है जबकि तीन एकड़ से अधिक जमीन अस्पताल के नाम से निबंधित है ;

(2) क्या यह बात सही है कि प्रखण्ड मुख्यालय में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र नहीं रहने से प्रखण्ड की जनता को ईलाज के लिये अन्यत्र जाना पड़ता है, जिससे उन्हें काफी परेशानियाँ होती है ;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त प्रखण्ड में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का भवन निर्माण कराने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

विद्युतीकरण का कार्य

*12. श्री गिरिधारी यादव—क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि राजीव गाँधी ग्रामीण विद्युतीकरण योजना के अंतर्गत सभी गाँवों का विद्युतीकरण किया जाना है परन्तु बाँका जिलान्तर्गत बेलहर विधान-सभा क्षेत्र के 100 से अधिक गाँवों में अबतक विद्युतीकरण का कार्य प्रारंभ नहीं किया गया है, यदि हाँ, तो सरकार कबतक उक्त छूटे हुये गाँवों का विद्युतीकरण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

कार्य पूर्ण कराना

*13. श्री संजय सरावगी--क्या मंत्री पर्यटन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि दरभंगा शहर में लक्ष्मेश्वर विलास पैलेस के झील का सौन्दर्यीकरण प्राक्कलित राशि 1.85 करोड़, गंगासागर पोखर का जीर्णोद्धार कार्य (प्राक्कलित राशि 51 लाख) की स्वीकृति विभाग ने वित्तीय वर्ष 2012-13 में दी थी ;

(2) क्या यह बात सही है कि स्वीकृति के तीन वर्ष बीत जाने के बाद भी दोनों योजनाओं का कार्य अभीतक पूर्ण नहीं हुआ है ;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार दोनों योजनाओं का कार्य पूर्ण कराना चाहती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

जर्जर विद्युत् तार को बदलना

*14. श्री विजय कुमार सिन्हा--क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि लखीसराय जिलान्तर्गत लखीसराय विधान-सभा क्षेत्र के हलसी, रामगढ़, लखीसराय एवं बड़हिया प्रखण्डों में विद्युत् तार बिलकुल जर्जर हो गया है ;

(2) क्या यह बात सही है कि जर्जर विद्युत् तार प्रायः टूट कर गिरने से हमेशा जान-धन की क्षति एवं अगलगी की घटनाएँ होते रहती हैं ;

(3) क्या यह बात सही है कि हलसी प्रखण्ड के लालपुर गाँव में जर्जर विद्युत् तार गिरने से संजीव कुमार नाम के लड़का 25 जनवरी, 2016 को विद्युत् की चपेट में आने से उसकी मौत हो गयी है ;

(4) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार लखीसराय विधान-सभा क्षेत्र में जर्जर विद्युत् तार बदलने का विचार रखती है, यदि हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

आपदा से राहत एवं बचाव हेतु प्रशिक्षण

*15. श्री अचमित ऋषिदेव--क्या मंत्री, आपदा प्रबंधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि अररिया, मधेपुरा, सुपौल, मधुबनी, सीतामढ़ी और दरभंगा जिला भीषण तीव्रता वाला भूकम्प जोन 5 (पाँच) के अन्तर्गत आता है और वर्ष 1988-89 में भूकम्प से सर्वाधिक क्षति अररिया जिला में हुआ था ;

(2) क्या यह बात सही है कि अररिया जिला में आपदा से राहत एवं बचाव के लिये कोई बड़ा प्रशिक्षण संस्थान नहीं है, यदि हाँ, तो इसका क्या औचित्य है ?

विद्युत् आपूर्ति करना

*16. श्री मुजाहिद आलम--क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि किशनगंज जिलान्तर्गत कोचाधामन प्रखण्ड के महीनगाँव पोठीमार, जागीर पंचायत के कोहिया मोहर टोला, पोठीमारी मालगोप टोला, पोठीमारी शाह टोला पोठीमारी टोला अभीतक विद्युतीकरण योजना से वंचित है ;

(2) क्या यह बात सही है कि सरकार ने हर गाँव का विद्युतीकरण करने का लक्ष्य निर्धारित किया है ;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार उपरोक्त सभी गाँवों को राजीव गाँधी विद्युतीकरण योजना से जोड़कर विद्युत् आपूर्ति सुनिश्चित करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

विद्युत सब-स्टेशन का निर्माण

*17. डा० विनोद प्रसाद यादव— क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि गया जिला अन्तर्गत शेरघाटी एवं डोभी में मात्र एक-एक विद्युत सब-स्टेशन है ;

(2) क्या यह बात सही है कि डोभी एवं शेरघाटी भौगोलिक दृष्टिकोण से बड़ा रहने के कारण एक-एक विद्युत सब-स्टेशन से विद्युत आपूर्ति में काफी कठिनाई होती है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार शेरघाटी प्रखण्ड के रामपुर के विशाल कला ग्राम, मोजमा के पास तथा डोभी प्रखण्ड के करमौनी एवं जयनगर में अतिरिक्त विद्युत सब-स्टेशन निर्माण कराने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

ट्रांसफार्मर लगाना

*18. श्रीमती लेसी सिंह— क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि पूर्णियाँ जिला के धमदाहा प्रखंड अधीन धमदाहा फीडर के अंतर्गत पावर सब-स्टेशन तथा के० नगर प्रखण्ड अधीन मरंगा फीडर के धम्मानगर पावर सब-स्टेशन में 5 एम०भी०ए० का पावर ट्रांसफार्मर रहने के कारण लोड शेडिंग की समस्या रहती है, फलस्वरूप ग्रामीण क्षेत्रों में सामयिक विद्युत आपूर्ति नहीं होने से असंतोष व्याप्त है ;

(2) क्या यह बात सही है कि कार्यपालक अभियंता, कार्य प्रमण्डल (विद्युत आपूर्ति), पूर्णियाँ द्वारा भी उक्त दोनों सब-स्टेशनों में 10 एम०भी०ए० का ट्रांसफार्मर लगाने की अनुशंसा की गई है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त दोनों सब-स्टेशनों में 10 एम०भी०ए० का ट्रांसफार्मर लगाने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक ?

चिकित्सकों का पदस्थापन

*19. श्री राम नारायण मंडल— क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि बाँका जिला के बाँका सदर अस्पताल में चिकित्सकों के स्वीकृत पदों की संख्या 36 (छत्तीस) है जिसके विरुद्ध मात्र 9 (नौ) चिकित्सकों का पदस्थापन विभाग द्वारा किया गया जिससे मरीजों को चिकित्सा कराने में परेशानी का सामना करना पड़ता है ;

(2) यदि उपर्युक्त खंड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार बाँका सदर अस्पताल में चिकित्सकों के स्वीकृत पदों के अनुरूप पदस्थापन का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

डॉक्टरों का पदस्थापन करना

*20. श्रीमती लेसी सिंह— क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि पूर्णियाँ जिला के धमदाहा अनुमण्डल रेफरल अस्पताल में कुल सृजित पद के अनुरूप डॉक्टरों का पदस्थापन नहीं रहने के कारण मरीजों को समुचित चिकित्सा सेवा उपलब्ध नहीं हो पा रही है ;

(2) क्या यह बात सही है कि धमदाहा अनुमण्डल रेफरल अस्पताल में स्त्री रोग विशेषज्ञ चिकित्सक का पदस्थापन नहीं रहने के कारण महिला रोगियों को कठिनाई होती है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त रेफरल अस्पताल में स्त्री रोग विशेषज्ञ चिकित्सक समेत सृजित पद के अनुरूप डॉक्टरों का पदस्थापन करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

मुआवजा देना

*21. श्री विनोद प्रसाद यादव—क्या मंत्री, आपदा प्रबंधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:

(1) क्या यह बात सही है कि राज्य में अग्निकांड से पीड़ित लोगों को सरकार द्वारा मुआवजा दिया जाता है ;

(2) क्या यह बात सही है कि गया जिलान्तर्गत शेरघाटी प्रखण्ड के बी०टी० बिगहा गाँव में कपूरी यादव, [illegible] यादव, श्यामदेव यादव, अनिरुद्ध प्रसाद, सत्येन्द्र प्रसाद, दर्शन महतो, रामस्वरूप महतो, [illegible] महतो, महेन्द्र सिंह, सुरेश सिंह एवं सुन्दर महतो के खेत में दिनांक 3 जनवरी, 2016 को आग लग जाने से ईख की पूरी फसल बर्बाद हो गया है ;

(3) क्या यह बात सही है कि पीड़ित किसानों को सरकार से अबतक कोई सहायता नहीं दी गई है ;

(4) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार पीड़ित किसानों को मुआवजा देने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

विद्युतीकरण करना

*22. श्री कुमार सर्वजीत—क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि गया जिला के बोधगया विधान-सभा क्षेत्र के अन्तर्गत फतेहपुर, टनकुप्पा एवं बोधगया प्रखंड के गाँवों में राजीव गाँधी विद्युतीकरण योजना के अंतर्गत एस०पी०एम०एल० नामक कम्पनी को सितम्बर, 2015 तक विद्युतीकरण का कार्य पूरा कर लेना था, लेकिन अभीतक सिर्फ 40 प्रतिशत गाँवों का विद्युतीकरण किया गया है, यदि हाँ, तो शेष बचे गाँवों को अभीतक राजीव गाँधी विद्युतीकरण योजना के तहत विद्युतीकरण नहीं कराने का क्या औचित्य है ?

अस्पताल खोलना

*23. श्री वशिष्ठ सिंह—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि–

(1) क्या यह बात सही है कि रोहतास जिला अन्तर्गत करगहर विधान-सभा क्षेत्र में मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल नहीं है ;

(2) क्या यह बात सही है कि रोहतास, कैमूर एवं बक्सर के गरीब मेधावी छात्रों को मेडिकल की शिक्षा प्राप्त करने के लिए अधिक खर्च पर बाहर जाना पड़ता है ;

(3) क्या यह बात सही है कि ग्राम-सिकठा प्रखण्ड करगहर में 23.04 एकड़ सरकारी भूमि उपलब्ध है ;

(4) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार ग्राम-सिकठा प्रखण्ड करगहर, रोहतास में मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल खोलने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

ट्रांसफार्मर लगाना

*24. श्री अख्तरुल इस्लाम शाहीन—क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि–

(1) क्या यह बात सही है कि समस्तीपुर जिलान्तर्गत प्रखण्ड समस्तीपुर के ग्राम-रूप नं० [illegible], [illegible] (कुशवाहा टोला), [illegible] (पासवान टोला), मुरादपुर ([illegible]), [illegible] (ठाकुरबाड़ी निकट) आदि स्थानों पर जहाँ विद्युत उपभोक्ताओं की संख्या अत्यधिक है ;

(2) क्या यह बात सही है कि उपभोक्ताओं की संख्या अत्यधिक रहने एवं कम क्षमतावाला विद्युत ट्रांसफार्मर रहने से हमेशा लो वोल्टेज की समस्या रहती है जिसके कारण उपभोक्ताओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त वर्णित स्थल के निकट अधिक क्षमता वाला विद्युत ट्रांसफार्मर स्थापित कराना चाहती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

भवन का निर्माण

*25. <u>श्री भाई वीरेन्द्र</u>—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि पटना जिला के मनेर विधान-सभा क्षेत्रान्तर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, मनेर गाँव की घनी आबादी के बीच अवस्थित है, जिससे आवागमन की असुविधा के चलते मरीजों को काफी परेशानी होती है ;

(2) क्या यह बात सही है कि गाँव से सटे एन०एच० 30 पर परती सरकारी भूमि उपलब्ध है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार एन०एच० 30 पर की परती सरकारी भूमि पर उक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र को स्थानान्तरित करते हुए भवन का निर्माण कर संचालित कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

व्यवस्था सुदृढ़ करना

*26. <u>श्री (डॉ०) अनवर आलम</u>--क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि आरा सदर अस्पताल का भवन जर्जर है, साथ ही इमरजेन्सी वार्ड की हालत दयनीय है, जिसके कारण गंभीर रूप से बीमार मरीजों का इलाज ठीक से नहीं हो पाता है ;

(2) यदि उपर्युक्त खंड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार सदर अस्पताल, आरा के भवन का जीर्णोद्धार एवं इमरजेन्सी वार्ड की व्यवस्था सुदृढ़ करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

अस्पताल का निर्माण

*27. <u>श्री धीरेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ रिंकू सिंह</u>--क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि प० चम्पारण जिलान्तर्गत वाल्मीकिनगर विधान-सभा क्षेत्र में नेचरोपैथ अस्पताल नहीं है ;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त विधान-सभा क्षेत्र पहाड़ी प्राकृतिक वन संपदा एवं वन्य जीव का आश्रय क्षेत्र है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार वाल्मीकिनगर विधान-सभा क्षेत्र में प्राकृतिक उपचार हेतु नेचरोपैथ अस्पताल का निर्माण कराने का विचार रखती, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

विद्युत आपूर्ति करना

*28. <u>श्री सुरेश कुमार शर्मा</u>—क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि मुजफ्फरपुर शहर में बिजली आपूर्ति की जवाबदेही निजी कम्पनी को दी गई है ;

(2) क्या यह बात सही है कि शहर के वार्ड संख्या 15 कर्पूरी नगर, अम्बेदकर नगर आदि कई मुहल्ला में सैकड़ों की संख्या में उपभोक्ता बाँस के सहारे बिजली के तार खींचकर विद्युत का उपयोग कर रहे हैं, जो किसी भी समय दुर्घटना का कारण बन सकता है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त स्थानों में बिजली का पोल गाड़कर विद्युत् आपूर्ति करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

महिला चिकित्सक की प्रतिनियुक्ति

*29. श्री रमेश ऋषिदेव—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि मधेपुरा जिलान्तर्गत सिंहेश्वर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर महिला चिकित्सक नहीं रहने के कारण महिला रोगियों को इलाज कराने में कठिनाई होती है, यदि हाँ, तो सरकार उक्त स्वास्थ्य केन्द्र में कबतक महिला चिकित्सक की प्रतिनियुक्ति करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

स्वास्थ्य केन्द्र का उत्क्रमण

*30. श्री नारायण प्रसाद—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि पश्चिम चम्पारण जिलान्तर्गत बैरिया प्रखंड के गंडक दियारा का इलाका के चैनपुआ पंचायत में उप-स्वास्थ्य केन्द्र है ;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त स्वास्थ्य केन्द्र पर मात्र एक पुरुष चिकित्सा कर्मी पदस्थापित हैं, जिससे महिला प्रसूति चिकित्सीय कार्य नहीं होता है ;

(3) क्या यह बात सही है कि उक्त स्वास्थ्य केन्द्र से पी०एच०सी०, बैरिया तक आने के लिये गंडक नदी पार करना पड़ता है, जिसके कारण मरीजों की हालत बिगड़ जाती है ;

(4) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त उप-स्वास्थ्य केन्द्र को अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में उत्क्रमित करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

शहरी फीडर से लाइन दिया जाना

*31. श्री वीरेन्द्र कुमार सिंह--क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि-

(1) क्या यह बात सही है कि औरंगाबाद जिलान्तर्गत नबीनगर नगर पंचायत में ग्रामीण फीडर से विद्युत आपूर्ति होती है, जबकि बिल शहरी फीडर की दर से लिया जाता है ;

(2) यदि उपर्युक्त खंड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार उक्त नगर पंचायत में शहरी फीडर से लाइन देने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

चिकित्सक की पदस्थापना

*32. श्री आफाक आलम--क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि अररिया जिलान्तर्गत जोकीहाट रेफरल अस्पताल में स्वीकृत पद रहने के बावजूद महिला चिकित्सक, सहायक चिकित्सकों, कर्मी एवं एल०एम०के पद रिक्त हैं ;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त अस्पताल में प्रतिदिन 200-300 महिला मरीज इलाज कराने आती हैं, जिन्हें महिला चिकित्सक के अभाव में समुचित इलाज नहीं हो पाता है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त अस्पताल के रिक्त पदों को भरने के साथ-साथ महिला चिकित्सक की पदस्थापना कबतक करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

विद्युतीकरण का कार्य

*33. श्री मुन्द्रिका सिंह यादव—क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि बिहार के सभी गाँवों को 2017 तक ऊर्जान्वित किये जाने की योजना है;

(2) क्या यह बात सही है कि गया, जहानाबाद एवं अरवल जिलों में विद्युतीकरण का कार्य बहुत ही धीमी गति से चल रहा है;

(3) क्या यह बात सही है कि बड़े गाँवों को ऊर्जान्वित किया जा रहा है किन्तु टोलों, बिगहों खासतौर से दलितों, पिछड़ों की आबादी को बिजली से वंचित रखा जा रहा है;

(4) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार लक्ष्य की प्राप्ति के लिये विद्युतीकरण के कार्य में तेजी लाते हुये छूटे टोलों, बिगहों को भी ऊर्जान्वित करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक ?

अस्पताल खोलना

*34. श्री ललित कुमार यादव—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि दरभंगा जिलान्तर्गत सकरी और डी०एम० सी०एच० के बीच फोर लेन एन०एच० 57 के आस-पास एक भी अस्पताल नहीं है, जिसके कारण इस बीच दुर्घटना होने पर मरीजों को समय पर उपचार नहीं हो पाता है;

(2) यदि उपर्युक्त खण्ड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार सकरी एवं दरभंगा के बीच काकरपट्टी, खरतुआ में एक प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र या रेफरल अस्पताल खोलने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

कार्य पूर्ण कराना

*35. श्री शमीम अहमद—क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि पूर्वी चम्पारण जिले के बंजरिया प्रखण्ड अन्तर्गत फुलवार उत्तरी पंचायत, फुलवार दक्षिणी पंचायत, रोहिनीया पंचायत, पचरूखा मध्य पंचायत, पचरूखा पश्चिमी पंचायत, जेनरवा पंचायत, सेमरा पंचायत के ग्राम-कारसंडी तथा ग्राम-सिसुआ में विद्युतीकरण का कार्य पूर्ण रूप से वंचित है, यदि हाँ, तो सरकार कबतक उक्त पंचायतों में विद्युतीकरण का कार्य पूर्ण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

विकसित करना

*36. श्री मुन्द्रिका सिंह यादव—क्या मंत्री, पर्यटन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि औरंगाबाद जिला के गोह प्रखण्ड के थाना देवकुण्ड में बाबा दुधेश्वरनाथ मंदिर हजारों वर्ष पूर्व से स्थापित है जो च्यवन ऋषि का तपो भूमि है तथा यहाँ शिवरात्रि एवं श्रावण माह में श्रद्धालु जल चढ़ाने आते हैं;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त स्थान पर वर्ष में दो बार फाल्गुन त्रियोदसी एवं बैशाख त्रियोदसी के समय पशु मेला लगता है लेकिन वहाँ मूलभूत एवं आधारभूत सुविधाओं का अभाव है जिसके कारण लोगों को कठिनाई होती है;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त ऐतिहासिक स्थल को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

लक्ष्य की प्राप्ति

*37. प्रो० (मो०) नवाज आलम- क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि राष्ट्रीय अंधापन निवारण कार्यक्रम के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2015-16 में राज्य में मोतियाबिंद ऑपरेशन 4,21,309, स्कूली छात्रों को मुफ्त चश्मा वितरण 50,000, नेत्रदान किये गये आँखों का संकलन 5,000, अन्य नेत्र रोग मधुमेह रेटिनोपैथी, काला मोतिया ऐंचापन रेटिनोपैथी ऑफ प्रीमेच्योरिटी इत्यादि 6,228 करने का लक्ष्य था;

(2) क्या यह बात सही है कि लक्ष्य के विरुद्ध मात्र 26,655 मरीजों को ही मोतियाबिंद ऑपरेशन हुआ है, शेष किसी प्रकार के मरीजों का इलाज नहीं हुआ है;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार लक्ष्य की प्राप्ति हेतु क्या कार्रवाई करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

महिला चिकित्सक की प्रतिनियुक्ति

*38. श्री रमेश ऋषिदेव—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि मधेपुरा जिलान्तर्गत कुमारखण्ड प्रखण्ड के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर महिला चिकित्सक नहीं रहने के कारण महिला रोगियों को इलाज कराने में कठिनाई होती है, यदि हाँ, तो सरकार उक्त स्वास्थ्य केन्द्र में कबतक महिला चिकित्सक की प्रतिनियुक्ति करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

जमीन का मुआवजा

*39. श्री दिनेश चन्द्र यादव- क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि सहरसा जिला अन्तर्गत सिमरी बख्तियारपुर प्रखण्ड में बलवाहाट (सरौंजा) पावर सब-स्टेशन छः वर्ष पूर्व बनकर चालू हो गया है;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त पावर सब-स्टेशन के लिये अधिग्रहित जमीन के मालिक गुलफरण दास को जमीन के मुआवजा का भुगतान नहीं किया गया है;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार अधिग्रहित जमीन के मालिक को कबतक जमीन के मुआवजा की राशि का भुगतान करना चाहती है, नहीं, तो क्यों ?

पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करना

*40. श्री मेवा लाल चौधरी—क्या मंत्री, पर्यटन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि-

(1) क्या यह बात सही है कि मुंगेर जिला के असरगंज प्रखण्ड अन्तर्गत चौरगाँव पंचायत के ढोलपहाड़ी गाँव स्थित 100 वर्ष पुराना शिव मंदिर है, जो पहाड़ों से घिरा हुआ है;

(2) क्या यह बात सही है कि ढोलपहाड़ी को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने से पर्यटक आने लगेंगे, जिससे सरकार को राजस्व की प्राप्ति होगी;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार ढोलपहाड़ी गाँव को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

विकसित करना

*41. श्री विजय कुमार विजय : क्या मंत्री, पर्यटन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि मुंगेर जिलान्तर्गत ऐतिहासिक धार्मिक पर्यटन स्थल सिद्ध चण्डिकापीठ, सीताकुण्ड, सीता चरण, पीरपहाड़, जमालपुर में काली पहाड़ी पर स्थित काली मंदिर, ऋषिकुण्ड को देखने हेतु दूर दूर से पर्यटक आते हैं;

(2) क्या यह बात सही है कि उपरोक्त ऐतिहासिक स्थलों को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित होने से मुंगेर शहर का महत्व बढ़ जायेगा;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार कबतक इन स्थलों को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पावर सब स्टेशन का निर्माण

*42. श्री अचमित ऋषिदेव : क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि

(1) क्या यह बात सही है कि वर्ष 2015 में राज्य के सभी 38 जिलों में खेती के लिए बिजली पहुँचाने हेतु 100 अलग पावर सब स्टेशन बनाने का निर्णय राज्य सरकार द्वारा लिया गया है;

(2) क्या यह बात सही है कि अररिया जिलान्तर्गत रानीगंज एवं भरगामा प्रखण्ड के किसानों को खेती के लिए अबतक अलग से पावर सब स्टेशन का निर्माण नहीं किया गया है;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार रानीगंज प्रखण्ड एवं भरगामा प्रखण्ड में किसानों के हित में एक-एक पावर सब स्टेशन बनाने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

लिपिक का स्थानान्तरण

*43. श्री महेश्वर प्रसाद यादव : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि अशोक सिंह लिपिक के पद पर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, कांटी, जिला मुजफ्फरपुर में पिछले 5 वर्षों से अपने गृह प्रखण्ड में पदस्थापित हैं;

(2) क्या यह बात सही है कि वर्ग 3 के कर्मी एक ही स्थान पर तीन वर्षों से अधिक पदस्थापित नहीं रह सकते हैं तथा अपने गृह प्रखण्ड में पदस्थापित नहीं किये जाने का प्रावधान है;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त लिपिक का अन्यत्र स्थानान्तरण करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक नहीं, तो क्यों ?

अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र खोलना

*44. श्री ललित कुमार यादव : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि दरभंगा जिलान्तर्गत सदर प्रखण्ड के बलहा पंचायत एवं मनीगाछी प्रखण्ड के [illegible] मणीपुर गाँव में एक भी अस्पताल नहीं है, जिस कारण ग्रामीणों को इलाज कराने में कठिनाई होती है, यदि हाँ, तो सरकार बलहा पंचायत और मनीगाछी के [illegible] मणीपुर में एक-एक अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कबतक खोलने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

विद्युतीकरण का कार्य कराना

*45. <u>श्री विनोद कुमार सिंह</u>—क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि कटिहार जिलान्तर्गत प्राणपुर प्रखण्ड के सरौंधा धीरगंज, डमरा, हुर्दली, रसिका, भखन बैना गाँवों का विद्युतीकरण का कार्य अभीतक नहीं हुआ है जिसके कारण लोगों को अंधेरे में रहना पड़ता है, यदि हाँ, तो सरकार उक्त गाँवों में विद्युतीकरण का कार्य कबतक कराने का विचार रखती है ?

मेडिकल कॉलेज खोलना

*46. <u>श्री विजय कुमार खेमका</u>—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि सरकार द्वारा वर्ष 2013-14 में पूर्णियाँ सदर अस्पताल में मेडिकल कॉलेज खोलने तथा वर्ष 2016 से छात्रों का नामांकन करने का निर्णय लिया गया था;

(2) क्या यह बात सही है कि अबतक पूर्णियाँ सदर अस्पताल में मेडिकल कॉलेज नहीं खोला गया है;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार पूर्णियाँ सदर अस्पताल में मेडिकल कॉलेज खोलने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक ?

पलायन रोकना

*47. <u>श्री अरुण कुमार सिन्हा</u>—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि बिहार के हजारों छात्र-छात्राएँ मेडिकल की पढ़ाई के लिये प्रति वर्ष अन्य राज्यों में पलायन करते हैं;

(2) क्या यह बात सही है कि महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, गुजरात, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश तथा कर्नाटक में क्रमशः 47, 28, 21, 17, 17, एवं 49 मेडिकल कॉलेज हैं जबकि बिहार में इनकी संख्या मात्र 14 ही है;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार मेडिकल की पढ़ाई के लिए छात्र-छात्राओं के बिहार से पलायन रोकने हेतु कौन सा कदम उठाने का विचार रखती है ?

पर्यटकों को सुविधा एवं सुरक्षा देना

*48. <u>श्री संजीव चौरसिया</u>—क्या मंत्री, पर्यटन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा दिलाने के लिये कई पर्यटन सर्किट बनाये गये हैं तथा वर्ष 2009 में इस उद्योग का दर्जा देने के बावजूद पर्यटकों की संख्या में कुछ खास बढ़ोतरी नहीं हुई है;

(2) क्या यह बात सही है कि सुविधाओं के कारण सम्पन्न देशी-विदेशी पर्यटक जो बोध गया, राजगीर एवं नालंदा घूमने आते हैं, वे यहाँ नहीं ठहरकर रात्रि विश्राम बाहर करते हैं, जिससे राज्य के व्यवसायियों को पर्यटकों से पूरा आर्थिक लाभ नहीं मिल पा रहा है;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो क्या सरकार पर्यटकों को ठहरने के लिये सुविधा एवं सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने का विचार रखती है, हाँ तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

विद्युतीकरण कराना

*49. श्री सैयद अबु दोजाना—क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि सीतामढ़ी जिले के सुरसंड प्रखण्ड अन्तर्गत ग्राम-हनुमान नगर के डंगराहा वार्ड नं०-5, मानमोहित बस्ती वार्ड नं०-5, बैद्यनाथपुर टोल वार्ड नं०-6, ब्रह्मस्थान टोल वार्ड नं०-7 एवं 8, पाण्डेय टोल वार्ड नं०-8 एवं 9, पोखर टोल वार्ड नं०-10, मियांजी टोल वार्ड नं०-11, महादेव टोल वार्ड नं०-11, मियापतम पाण्डेय क्षेत्र वार्ड नं०-11, मुसहरी टोल वार्ड नं०-13 एवं अकाला टोल वार्ड नं०-12, विद्युतीकरण से पूर्ण रूप से वंचित है, यदि हाँ, तो सरकार उक्त स्थानों पर कबतक विद्युतीकरण का कार्य कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

ट्रांसफॉर्मर बदलना

*50. श्रीमती सुनीता सिंह चौहान—क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि सीतामढ़ी जिलान्तर्गत बेलसंड प्रखण्ड के परशुरामपुर पंचायत के वार्ड 11 का ट्रांसफॉर्मर पिछले 15 माह पूर्व जल गया है, यदि हाँ, तो परशुरामपुर पंचायत के वार्ड-11 में अभीतक जले हुए ट्रांसफॉर्मर नहीं बदलने का क्या औचित्य है ?

विद्युतीकरण का कार्य

*51. डॉ० शमीम अहमद—क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि पूर्वी चम्पारण जिला के छौड़ादानो प्रखण्ड अन्तर्गत जीतपुर पंचायत के जीतपुर के पोखनाम टोला, बिमलपुरवा टोला, हरदिया गाँव, नरोला गाँव, महुआ पंचायत के सिरसमनी गाँव, परमा टोला एवं सिरमणी पंचायत के बंजारी/भगही टोला तथा मधनहिया पंचायत के खोखरिया गाँव का विद्युतीकरण से वंचित रखा गया है ?

(2) यदि उपर्युक्त खंड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार उक्त स्थानों पर कबतक विद्युतीकरण का कार्य पूर्ण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

निर्माण कार्य कराना

*52. श्री श्यामबाबू प्रसाद यादव—क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि पूर्वी चम्पारण जिला के लौरिया में स्वीकृत पावर सब-स्टेशन के चहारदीवारी का निर्माण कार्य कराया जा चुका है परन्तु पावर सब-स्टेशन का निर्माण कार्य शुरू नहीं कराया गया है, यदि हाँ, तो उक्त स्थान में पावर सब-स्टेशन का निर्माण कार्य कबतक शुरू कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

कर्मियों का स्थानांतरण

*53. श्रीमती भागीरथी देवी — क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे —

(1) क्या यह बात सही है कि प० चम्पारण जिलान्तर्गत रामनगर एवं गौनाहा प्रखण्ड में [illegible] प्राथमिक उप-स्वास्थ्य केन्द्र है जिसमें चिकित्सक एवं स्वास्थ्य कर्मी विगत 6 वर्षों से कार्यरत है ;

(2) क्या यह बात सही है कि सरकारी नियमानुसार कोई भी कर्मी एक स्थान पर तीन साल से अधिक समय तक पदस्थापित नहीं रह सकता है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त प्राथमिक उप-स्वास्थ्य केन्द्र में तीन साल से अधिक समय से कार्यरत स्वास्थ्य कर्मियों का स्थानान्तरण करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

पोल को सड़क के किनारे करना

*54. श्री सुरेश कुमार शर्मा — क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि —

(1) क्या यह बात सही है कि मुजफ्फरपुर शहर के अतिमहत्वपूर्ण पथ [illegible] चौक से कलमबाग चौक होते हुए भाया [illegible] राष्ट्रीय उच्च पथ-28 तक एवं बनारस बैंक चौक से पानी टंकी भाया हरिसभा चौक होते हुए कच्ची पक्की चौक तक पथ के चौड़ीकरण के कारण पुराने लगे सभी बिजली के पोल सड़क के मध्य में आ गये हैं, जिससे प्रायः जाम की समस्या उत्पन्न हो रही है ;

(2) यदि उपर्युक्त खंड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार उक्त दोनों पथ के मध्य में आने वाले पोल को सड़क के किनारे करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, यदि नहीं, तो क्यों ?

नलकूप को चालू करना

*55. श्रीमती सुनीता सिंह चौहान — क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे —

(1) क्या यह बात सही है कि सीतामढ़ी जिलान्तर्गत [illegible] प्रखंड के [illegible] ग्राम में 15 वर्ष पूर्व किसानों के सिंचाई हेतु नलकूप लगाया गया था ;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त बिजली के अभाव में नलकूप आजतक चालू नहीं किया गया है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार बिजली की आपूर्ति कर उक्त नलकूप को चालू करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

उप-स्वास्थ्य केन्द्र स्थापित करना

*56. श्री विनोद कुमार सिंह — क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे —

(1) क्या यह बात सही है कि कटिहार जिलान्तर्गत आजमनगर प्रखण्ड के अरिहाना पंचायत में उप-स्वास्थ्य केन्द्र नहीं रहने के कारण उक्त पंचायत के गोगरा, पोरगंज, ललगाँव, कर्णौली, झौआ, गढ़ैली, अरिहाना गाँवों के 10 हजार लोगों को चिकित्सा हेतु 30 कि०मी० की दूरी तय कर कटिहार जाना पड़ता है ;

(2) क्या यह बात सही है कि गंभीर रोग से पीड़ित मरीज रास्ते में ही दम तोड़ देते हैं ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार अरिहाना पंचायत के अरिहाना में उप-स्वास्थ्य केन्द्र स्थापित करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

पर्यटक स्थल बनाना

*57. श्री जनार्दन मांझी—क्या मंत्री, पर्यटन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि बांका जिलान्तर्गत अमरपुर प्रखंड में जेठौर नाथ पर्यटन केन्द्र स्थित है, जहाँ दूर-दूर से पर्यटक आते हैं;

(2) क्या यह बात सही है कि यह स्थान काफी महत्वपूर्ण है एवं पर्यटक स्थल बनने की सभी शर्तों को पूरा करता है;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त स्थान को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

औचित्य बतलाना

*58. श्री उमेश सिंह कुशवाहा—क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि एन०बी०पी०डी०सी०एल० के टैरिफ ऑर्डर बुक के पृष्ठ सं० 279-280 के अनुसार पॉल्ट्री, हैचरी एवं डेयरी को कृषि व्यवसाय उद्योग का दर्जा प्राप्त है जो अन्य राज्यों में भी लागू है जैसे-महाराष्ट्र, उड़ीसा आदि लेकिन बिहार में इस उद्योग को दो तरह से बिजली दर का भुगतान करना पड़ा है जैसे महराजा हैचरी, भरियारा, वैशाली, अंकुर हैचरी, पटना आदि को कृषि बिजली दर एवं श्री राम इंडस्ट्रीज एवं एस० सिंह हैचरी, हाजीपुर आदि को व्यावसायिक बिजली दर से भुगतान करना पड़ता है, यदि हाँ, तो इसका क्या औचित्य है?

चिकित्सकों का पदस्थापन

*59. श्री (मो०) नेमतुल्लाह—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि गोपालगंज जिला के मांझा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में स्वीकृत पद के अनुरूप चिकित्सकों का पदस्थापन नहीं रहने के कारण मरीजों को चिकित्सकीय सुविधा प्राप्त करने में कठिनाई होती है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त स्वास्थ्य केन्द्र में चिकित्सकों के स्वीकृत पद के अनुरूप पदस्थापना करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

कार्य प्रारंभ कराना

*60. श्री नन्दकिशोर प्रसाद—क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि कटिहार जिला के हसनगंज प्रखंड में राजीव गाँधी विद्युतीकरण योजना अन्तर्गत पावर सब-स्टेशन निर्माण हेतु हसनगंज अंचल के मौजा-जगरनाथपुर, थाना नं०-8 खाता नं० 567, खेसरा सं०-370, रकबा-1 एकड़ किस्म बिहार सरकार खास (परती) भूमि को 4 लाख 26 हजार रुपये के भुगतान पर बिहार राज्य विद्युत बोर्ड को स्थायी हस्तांतरण राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के ज्ञापांक 6/ख०म० कटिहार-05/10-766(6)/रा० पटना, दिनांक 24 जून, 2011 के द्वारा किया गया है;

(2) क्या यह बात सही है कि 5 वर्ष बीत जाने के बावजूद भी उक्त भूमि पर पावर सब-स्टेशन का निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं किया जा सका है जिससे हसनगंज प्रखंड के ग्रामीण पर्याप्त विद्युत आपूर्ति से वंचित हैं;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो क्या सरकार उक्त भूमि पर पावर सब-स्टेशन का निर्माण कार्य प्रारंभ कराने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

नियुक्ति करना

*61. श्री जिवेश कुमार—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि बिहार के 531 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर अंधापन नियंत्रण हेतु विजन सेंटर की स्थापना करने का निर्णय विगत तीन वर्ष पूर्व सरकार द्वारा लिया गया था;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में स्थापित होने वाले विजन सेंटर के संचालन हेतु 726 नेत्र सहायकों के पद सृजित करने का निर्णय सरकार द्वारा दो वर्ष पूर्व लेने के बावजूद इनकी नियुक्ति अबतक नहीं की जा सकी है;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर विजन सेन्टर खोलने तथा 726 नेत्र सहायकों की नियुक्ति करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक नहीं, तो क्यों ?

आपदा की राशि

*62. श्रीमती गायत्री देवी—क्या मंत्री, आपदा प्रबंधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1)क्या यह बात सही है कि सीतामढ़ी जिला के सोनबरसा प्रखंड अन्तर्गत मधुरखा ग्राम के विनोद राम, पिता मोहरी राम की मृत्यु बाढ़ के पानी में डूबने से दिनांक 15 अगस्त, 2015 को हो गई थी;

(2)क्या यह बात सही है कि सोनबरसा के तत्कालीन प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी एवं थाना अध्यक्ष के प्रयास से विनोद राम की लाश नदी से दिनांक 15 अगस्त 2015 को निकाला गया था;

(3)क्या यह बात सही है कि नदी में डूबने के बाद थाना कांड सं०-6/15, दिनांक 15 अगस्त, 2015 को दर्ज किया गया और पोस्टमार्टम दिनांक 16 अगस्त, 2015 को सदर अस्पताल, सीतामढ़ी में कराया गया था परन्तु अभीतक विनोद राम के परिवार को आपदा से कोई अनुदान राशि नहीं मिली है;

(4) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार पीड़ित परिवार को आपदा से मिलने वाली राशि देने पर विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

ट्रान्सफार्मर लगाना एवं चालू करना

*63. श्री वीरेन्द्र कुमार सिंह—क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि औरंगाबाद जिला के गाँवों में वित्तीय वर्ष 2011 से 2014 तक 128 वित्तीय वर्ष 2014-15 में 52 तथा 2015-16 में 12 ट्रान्सफार्मर के लिये मुख्यमंत्री स्थानीय क्षेत्र विकास योजना से राशि आवंटित हुई है, जिसमें अभीतक मात्र 138 ट्रान्सफार्मर ही लगे हैं;

(2) क्या यह बात सही है कि ग्राम जोगिया, जलकोप, सोमन बिगहा, गरचाही, सिंहपुर, पथरा आदि गाँवों में लगे ट्रान्सफार्मर से अभीतक लाइन चालू नहीं किया गया है;

(3)यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार औरंगाबाद जिला के बचे हुये शेष गाँवों में ट्रान्सफार्मर लगाने एवं उक्त गाँवों में लगे हुये ट्रान्सफार्मर को चालू कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

भवन का निर्माण

*64. श्री प्रहलाद यादव—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि लखीसराय जिला के स्वास्थ्य उप-केन्द्र, मननपुर एवं अरमा को अपना भवन नहीं है, जिसके कारण चिकित्सक एवं रोगी को इलाज कराने में काफी कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है, यदि हाँ, तो सरकार उक्त स्वास्थ्य केन्द्रों का भवन निर्माण करवाने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पुनर्वासित कराना

*65. श्री अमित कुमार—क्या मंत्री, आपदा प्रबंधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि सीतामढ़ी जिला अन्तर्गत बैरगनिया प्रखण्ड के मसहा आलम गाँव का पाँच सौ परिवार बागमती नदी पर वर्ष 1978 में बाँध बनने के कारण प्रभावित हुए थे जिन्हें पुनर्वासित किया जाना था ;

(2) क्या यह बात सही है कि मात्र 100 परिवारों को ही पुनर्वासित किया गया, शेष 400 परिवारों को जमीन की उपलब्धता नहीं रहने के कारण अबतक पुनर्वासित नहीं किया जा सका है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त परिवारों को पुनर्वासित करने हेतु जमीन उपलब्ध कराने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

सुविधा उपलब्ध कराना

*66. श्री भाई वीरेन्द्र—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि पटना जिला के मनेर विधान-सभा क्षेत्रान्तर्गत सेंदरा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में मरीजों की संख्या अधिक होने के कारण मरीजों को चिकित्सकीय कार्य में काफी कठिनाई होती है, यदि हाँ, तो कबतक सरकार उक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र को अतिरिक्त प्राथमिक उप-स्वास्थ्य केन्द्र में तब्दील कर मरीजों को चिकित्सकीय सुविधा उपलब्ध कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

विद्युतीकरण का कार्य

*67. श्री रत्नेश सादा—क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि सहरसा जिलान्तर्गत सोनबरसा प्रखण्ड में कला भवन का निर्माण वर्ष 2013-14 में हुआ था ;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त कला भवन में अभीतक विद्युतीकरण नहीं हुआ है जिससे जनहित के कार्यों में काफी कठिनाई हो रही है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार कबतक उक्त कला भवन में विद्युतीकरण कर विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

अस्पताल का निर्माण

*68. श्री व्यासदेव प्रसाद—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि सन् 2008 में स्वास्थ्य विभाग, बिहार सरकार के द्वारा सदर अस्पताल,

सीवान को 500 शय्या वाले अस्पताल बनाने की स्वीकृति प्रदान की गई थी तथा इसके निर्माण हेतु राशि का भी आवंटन कर दिया गया था ;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त अस्पताल परिसर का बहुत जमीन असामाजिक तत्वों द्वारा अतिक्रमित कर लिया गया है जिसके कारण 500 शय्या वाला अस्पताल बनाने की प्रक्रिया अवरुद्ध है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त अस्पताल से अतिक्रमण हटाते हुए 500 शय्या वाला अस्पताल का निर्माण कराने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करना

*69. श्रीमती कुंती देवी—क्या मंत्री, पर्यटन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि गया जिला अन्तर्गत मोहड़ा प्रखण्ड अवस्थित तपोवन गर्म जलधारा के लिये प्रसिद्ध है, जहाँ प्रत्येक वर्ष जाड़ा की ऋतु एवं मकर संक्रांति के अवसर पर हजारों की संख्या में सैलानी एवं पर्यटक गर्म जलधारा का आनन्द लेने आते हैं ;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त स्थल पर सैलानियों एवं पर्यटकों के ठहरने एवं मनोरंजन आदि की कोई व्यवस्था नहीं है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त स्थल को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने एवं आधारभूत संरचनाओं का निर्माण कराने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

पावर सब-स्टेशन लगाना

*70. श्री वशिष्ठ सिंह—क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि रोहतास जिला के करगहर प्रखण्ड करगहर एवं कोनार प्रखण्ड शिवसागर में कृषि आधारित उद्योग (राईस मिल) चलता है किन्तु बिजली का कम वोल्टेज मिलने के कारण राइस मिल चलाने में एवं कृषि कार्य करने में कठिनाई होती है, यदि हाँ, तो सरकार उक्त स्थलों पर कबतक पावर सब-स्टेशन लगाने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

डियर पार्क का निर्माण

*71. श्री धीरेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ रिंकू सिंह—क्या मंत्री, पर्यटन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि प० चम्पारण जिलान्तर्गत वाल्मीकिनगर वन्य जीव अभ्यारण्य का आकर्षक स्थली है, जिसे देखने के लिये देश-विदेश से पर्यटक प्रतिवर्ष लाखों की संख्या में आते हैं ;

(2) क्या यह बात सही है कि दक्षिण भारत में कई राज्य जैसे मध्य प्रदेश, कर्नाटक एवं अन्य राज्यों में उक्त वन्य जीव संरक्षण के लिये पर्यटन की दृष्टिकोण से डियर पार्क बनाये गये हैं ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार वाल्मीकिनगर में पर्यटन की दृष्टिकोण से डियर पार्क बनाने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

व्यवस्था बहाल कराना

*72. श्री विजय कुमार खेमका--क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि पूर्णियाँ सदर अस्पताल प्रमंडल स्तर का अस्पताल है जहाँ आस-पास के क्षेत्रों से मरीज बड़ी संख्या में चिकित्सा कराने हेतु आते हैं ;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त अस्पताल का गहन चिकित्सा कक्ष, डायलिसिस यूनिट, एक्स-रे मशीन तथा बर्निंग वार्ड बन्द पड़ा है ;

(3) क्या यह बात सही है कि वहाँ दवा उपलब्ध नहीं रहने के साथ-साथ स्थाई टीकाकरण, एंटी रेबिज, एंटी स्नेक बाईटिंग की सुविधा नहीं है जिसके कारण मरीजों को चिकित्सकीय सुविधा प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है ;

(4) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार कबतक उक्त सदर अस्पताल में उपरोक्त वर्णित सभी व्यवस्था बहाल कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

विद्युतीकरण कराना

*73. श्री सैयद अबु दोजाना--क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि सीतामढ़ी जिले के सुरसंड प्रखंड अन्तर्गत हनुमान नगर गोट वार्ड नं० 2, के वार्ड नं० 3, वार्ड नं० 4 एवं 5 में विद्युतीकरण का कार्य अबतक नहीं कराया गया है, यदि हाँ, तो सरकार उक्त वार्डों में कबतक विद्युतीकरण का कार्य कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

निर्माण कराना

*74. श्री हरिनारायण सिंह--क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि नालंदा जिलान्तर्गत नगरनौसा प्रखंड के ग्राम पंचायत दामोदरपुर, कलाय अंतर्गत ग्राम-खपुरा कला में विगत पन्द्रह (15) वर्षों से स्वास्थ्य उप-केन्द्र किराये के मकान में संचालित हो रहा है ;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त स्वास्थ्य उप-केन्द्र के पास भवन निर्माण के लिये अपनी भूमि भी उपलब्ध है लेकिन अपना भवन नहीं है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार उपलब्ध भूमि पर स्वास्थ्य उप-केन्द्र, खपुरा कला का अपना भवन निर्माण कराना चाहती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

जर्जर तार को बदलना

*75. श्री नारायण प्रसाद--क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि पश्चिम चम्पारण जिलान्तर्गत नौतन प्रखंड के सब-स्टेशन से मंगलपुर गुदरिया, शिवराजपुर, मंगलपुर कला, श्यामपुर कोतराहा, उत्तर तेलहुआ, दक्षिण तेलहुआ समेत 25 गाँवों की ओर जाने वाली 11,000 वोल्टेज का तार काफी जर्जर है, यदि हाँ, तो सरकार जर्जर तार को कबतक बदलने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

नलकूप चालू करना

*76. श्री मेवा लाल चौधरी—क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि मुंगेर जिला के असरगंज प्रखंड अन्तर्गत रहमतपुर पंचायत के रहमतपुर गाँव स्थित राजकीय नलकूप विद्युत् के अभाव में 5 वर्षों से बंद है ;

(2) क्या यह बात सही है कि राजकीय नलकूप बंद होने से किसानों का पटवन कार्य बाधित है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त गाँव के राजकीय नलकूप में अविलंब विद्युत संयोजन कर नलकूप चालू कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

व्यवस्था करना

*77. डॉ० अशोक कुमार—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि पटना स्थित इन्दिरा गाँधी आयुर्विज्ञान संस्थान में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली की तर्ज पर चिकित्सा सुविधा एवं शिक्षा की व्यवस्था विहित प्रावधान के तहत राज्य सरकार द्वारा की जा रही है, परन्तु डेंटल की पढ़ाई की व्यवस्था अबतक नहीं है यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त संस्थान में डेंटल कोर्स की पढ़ाई की व्यवस्था करना चाहती है, नहीं, तो क्यों ?

शामिल करना

*78. श्री नन्दकिशोर प्रसाद—क्या मंत्री, योजना एवं विकास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि मुख्यमंत्री क्षेत्र विकास योजना अन्तर्गत माननीय विधायकों की अनुशंसा पर खिलाड़ियों एवं खेल संस्थाओं के लिये खेल उपकरण उपलब्ध कराने का प्रावधान नहीं है ;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त प्रावधान नहीं होने के कारण खिलाड़ी अत्याधुनिक खेल उपकरणों के इस्तेमाल से वंचित हो रहे हैं, जिसका कुप्रभाव खेल पर पड़ रहा है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने हेतु माननीय विधायकों की अनुशंसा सूची में खेल उपकरण भी शामिल करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

दोषियों के खिलाफ कार्रवाई

*79. श्री जितेन्द्र कुमार—क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि 33,000 हजार वोल्ट के तार को कम-से-कम 13 मीटर ऊँचे पोल के सहारे विद्युत् ग्रिड स्टेशन से विद्युत् सब-स्टेशन तक लाया जाता है ;

(2) क्या यह बात सही है कि वाले विद्युत् सब-स्टेशन (खेसार) दरभंगा में मुख्य विद्युत् ग्रिड स्टेशन से 33,000 हजार वोल्ट के तार को सिर्फ 9 मीटर पोल के सहारे लाया गया है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

बिजली की आपूर्ति

*80. श्री राम नारायण मंडल--क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि बाँका जिला अन्तर्गत बाराहाट प्रखण्ड के औरिया पंचायत का श्रीनाथपुर, देपरा, परवना, चन्द्रपुरा, मदुसरा ग्रामों एवं औरिया कदरसा टोला तथा खड़हरा पंचायत का मोतीदास दलित टोला आजतक बिजली की सुविधा से वंचित है, यदि हाँ, तो सरकार उक्त ग्रामों एवं टोलों में कबतक बिजली आपूर्ति सुनिश्चित कराने का विचार रखती है, नहीं तो क्यों ?

पंचायतों में बिजली पहुँचाना

*81. श्री सकील अहमद खाँ--क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि कटिहार जिलान्तर्गत कदवा प्रखण्ड के पारलसीया, भरगामा एवं सौनी पंचायत में अभीतक बिजली नहीं पहुँची है, यदि हाँ, तो उक्त पंचायतों में अभीतक बिजली नहीं पहुँचाने का क्या औचित्य है?

विद्युतीकरण का कार्य

*82. श्री मुजाहिद आलम--क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि किशनगंज जिलान्तर्गत कोचाधामन प्रखण्ड के बगलबाड़ी पंचायत के डकवा गाँव विद्युतीकरण से वंचित, है, जिसके कारण मेधावी छात्रों को पठन-पाठन में कठिनाई होती है साथ ही लोग अंधेरे में जी रहे हैं;

(2) यदि उपरोक्त खण्ड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो सरकार उक्त गाँव का कबतक विद्युतीकरण करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

संचालित करना

*83. डॉ० रविन्द्र यादव--क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि जमुई जिला के लक्ष्मीपुर प्रखंड स्थित दिग्घी पंचायत में वर्ष 2008 में स्वीकृत प्राथमिक स्वा० केन्द्र दिग्घी, पुस्तकालय में संचालित है;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त स्वा० केन्द्र के भवन की ढलाई चार वर्ष पूर्व हो चुकी है, परन्तु शौचालय एवं फिनिसिंग कार्य अभीतक पूरा नहीं किया जा सका है;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त स्वास्थ्य केन्द्र के भवन निर्माण का कार्य पूर्ण कर उसे उक्त भवन में संचालित करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

भुगतान कराना

*84. श्री संजय सरावगी--क्या मंत्री, विधि विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि दरभंगा व्यवहार न्यायालय में कार्यरत लोक अभियोजक, अपर लोक अभियोजक, विशेष लोक अभियोजक, सरकारी वकील एवं सहायक सरकारी वकील का फीस (बील) जनवरी, 2013 से ही बकाया है, यदि हाँ, तो सरकार कबतक उपर्युक्त वकीलों का फीस (बील) भुगतान कराने का विचार रखती है ?

सुविधा उपलब्ध कराना

*85. श्री श्यामबाबू प्रसाद यादव--क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि पूर्वी चम्पारण जिला के केसरिया प्रखण्ड में प्रा० स्वास्थ्य केन्द्र का भवन काफी पुराना एवं जर्जर हो गया है जिससे वहाँ पर कार्यरत स्वास्थ्य कर्मियों एवं मरीजों को चिकित्सकीय कार्यों में काफी परेशानी होती है;

(2) यदि उपर्युक्त खण्ड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार उक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के भवन का निर्माण कराकर मरीजों को स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

ट्रांसफॉर्मरों का बदला जाना

*86. श्री सचीन्द्र प्रसाद सिंह--क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि पूर्वी चम्पारण जिला के कल्याणपुर एवं कोटवा प्रखण्ड में 16 एवं 25 के०भी०ए० का 30 (तीस) ट्रांसफॉर्मर जले एवं खराब रहने से विद्युत् आपूर्ति बाधित है;

(2) क्या यह बात सही है कि सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में 72 घंटे के अंदर ट्रांसफॉर्मर बदलकर विद्युत् आपूर्ति सुधार करने का संकल्प लिया है;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार उक्त क्षेत्र के जले एवं खराब ट्रांसफॉर्मरों को कबतक बदलकर विद्युत् सुधार करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पटना:
दिनांक 26 फरवरी, 2016 (ई०) ।

राजीव कुमार,
प्रभारी सचिव,
बिहार विधान-सभा ।

बि०स०मु० (एल०ए०) 169-डी०टी०पी०-500